

प्रेषक,

मनीषा घंवार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,

समाज कल्याण उत्तराखण्ड,

हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 22 जून 2009

विषय : धालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदान में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या 15 के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 205/XXVII/(1)/2009 दिनांक 25 मार्च, 2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि धालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदान (01 अप्रैल, 2009 से 31 जुलाई, 2009) के अनुदान संख्या 15 के आयोजनागत पक्ष में संलग्नानुसार रू0 27,35,000/- (रू0 सत्ताईस लाख पैंतीस हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. लेखानुदान द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत धालू खर्चानाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हों अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी ओर लाल रंगाही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।

5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए वह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवनुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से तथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
6. नित्यव्ययता के सम्बन्ध में निशुल्क का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवधनबद्ध भद्रों में व्यय करने से पूर्ण वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।
7. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
8. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्य सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
9. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
10. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग, श्रवण सहायक यंत्र आदि का वितरण शासनादेश संख्या 268/XXVIII-5-2009-24/2009 दिनांक 25.02.2009 द्वारा स्थापित किये जाने वाले जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र (डीडीआरसीओ) के माध्यम से किया जायेगा।
11. बी०एम०-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्चोरमेन्ट रूल्स 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्यय सम्बन्धी नियम (यज्जट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुरंगत प्राथमिक इकाइयों के नामों डाला जायेगा।
14. यह आदेश जिला विभाग के आ०श०सं०-121(पी) XXVII(3)-2009-10 दिनांक 21 मई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

( मनीषा पंवार )  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 355/XVII-02/09-बजट 10(18)/2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त संसार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
8. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. आदेश पत्रिका।

आज्ञा सं.  
( मनीषा पेंवार )  
सचिव।

लेखाशीर्षक : 2235-02-800-07-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 800-अन्य व्यय  
 उप शीर्षक : 07-योजनाओं का मूल्यांकन, प्रचार प्रसार  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवृत्त धनराशि
42-अन्य व्यय	833
<b>योग</b>	<b>833</b>

(रुपये आठ लाख तैंतीस हजार मात्र)

लेखाशीर्षक : 2235-02-800-09-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 800-अन्य व्यय  
 उप शीर्षक : 09-समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवृत्त धनराशि
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	833
<b>योग</b>	<b>833</b>

(रुपये आठ लाख तैंतीस हजार मात्र)

लेखाशीर्षक : 2235-02-103-91-03  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 103-महिला कल्याण  
 उप शीर्षक : 91-जिला योजना  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 03-विभिन्न विभागीय संस्थाओं से मुक्त किये एवं अर्न्तवासिदों के पुनर्वासन एवं प्रशिक्षण के लिये राजसहायता

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवृत्त धनराशि
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	667
<b>योग</b>	<b>667</b>

(रुपये छः लाख सडसठ हजार मात्र)



अनुदान संख्या-15

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-101-05-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण  
 उप शीर्षक : 05-दश विकलांग कर्मचारियों एवं उनके सेवायोजकों को राज्य स्तरीय पुरस्कार  
 व्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवृत्त धनराशि
04-यात्रा व्यय	42
42-अन्य व्यय	292
योग	334

(रुपये तीन लाख चौतीस हजार मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-101-91-01  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण  
 उप शीर्षक : 91- जिला योजना  
 व्यौरेवार शीर्षक : 01- शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंगश्रवण सहायक यंत्र आदि खरीदने के लिये सहायता

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवृत्त धनराशि
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	68
योग	68


(रुपये अड़सठ हजार मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या-15 (आयोजनागत) का महायोग

2735

(रु० सत्ताईस लाख पैंतीस हजार मात्र)

  
 ( मनीषा पंडार )  
 सचिव।